एक नजर में

समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम आज

खंडवा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव हर माह समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम में नागरिकों की समस्याओं की सुनवाई वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से करके उनका निराकरण करते हैं। इस कार्यक्रम के तहत मुख्यमंत्री डॉ. यादव 23 अक्टूबर को अपरान्ह 4.30 बजे से जनसमस्याओं की सुनवाई करेंगे। इस कार्यक्रम में सी.एम. हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों,लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत दी जा रही सेवाओं एवं समाधान एक दिवस के विषयों तथा 100 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों की समीक्षा भी की जाएगी। कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम में इस बार लाडली बहना योजना में राशि भुगतान संबंधी समस्याएं,नवीन राशन कार्ड और पात्रता पर्ची बनवाने के संबंध में समस्याएं,कर्मकार मंडल योजना के तहत श्रमिकों को मिलने वाले लाभ,प्रसूति सहायता योजना,नगरीय निकायों में साफ सफाई,किसानों को खाद बीज उपलब्धता, ग्रामीण व शहरी पेयजल योजनाओं तथा छात्रवृत्ति और शिष्यवृत्ति भुगतान के संबंध में आ रही समस्याओं के संबंध में अधिकारियों से चर्चा कर विस्तार से समीक्षा करेंगे।

दीपावली मिलन समारोह 25 को

खंडवा। पूर्व निमाड़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज खंडवा का दीपावली मिलन समारोह शनिवार शाम आयोजित होगा।चेंबर के सभी सदस्यगण दीपावली मिलन हेतु सम्मिलित होकर हर्ष उल्लास एवं उमंग के साथ समारोह पूर्वक सानंद मनायेंगे।चेंबर ऑफ कॉमर्स के प्रवक्ता कमल नागपाल के अनुसार यह साधारण सभा और दीपावली मिलन कार्यक्रम 25 अक्टूबर 2025, शनिवार को श्री अग्रसेन भवन घंटाघर पर होगा। निर्धारित कार्यक्रम अनुसार साधारण सभा सायं 6.30 बजे से होगी। सभा के उपरांत द्वितीय सत्र में दीपावली मिलन समारोह होगा। मिलन समारोह पश्चात् अन्नकूट प्रसादी भी रखी गई है।चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष सुनील बंसल,सचिव संतोष गुप्ता और कोषाध्यक्ष गोवर्धन गोलानी ने चेंबर ऑफ कॉमर्स के सभी सदस्यों से दीपावली मिलन कार्यक्रम सफल बनाने की अपील की है।

साध्वी बनने निकली नर्सिंग छात्रा

बाल कल्याण समिति खंडवा ने लौटाया जीवन का संतुलन

खंडवा। तेलंगाना की एक नाबालिग नर्सिंग छात्रा जो अध्यात्म और शांति की खोज में गहराई से जुड़ी थी सोशल मीडिया पर साध्वियों और धार्मिक प्रवचनों से इतनी प्रभावित हुई कि उसने संसारिक जीवन त्यागने का निर्णय ले लिया। समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि 19 अक्टूबर की सुबह उसने घर पर एक भावनात्मक पत्र छोड़ा, मैं अब साध्वी बनकर प्रभु को अपना जीवन समर्पित करना चाहती हूं,कृपया मुझे खोजने की कोशिश न करें। घर से निकलने से पहले उसने अपने शहर के शिव मंदिर में भगवान शिव से प्रतीकात्मक विवाह किया,माला और मंगलसूत्र चढ़ाकर भोलेनाथ को अपना जीवनसाथी माना। इसके बाद वह साध्वी जैसी वेशभूषा में काशी जाने के उद्देश्य से हैदराबाद जयपुर एक्सप्रेस में सवार हो गई। पुलिस की सजगता से टली बड़ी भूल ट्रेन में यात्रियों और आरपीएफ कर्मियों ने जब उसे साध्वी रूप में अकेले यात्रा करते देखा तो उन्होंने पूछताछ की। वह मासूमियत से बोली काशी जा रही हूं, साध्वी बनने। पुलिस ने स्नेहपूर्वक समझाया कि वह गलत ट्रेन में बैठ गई है। तत्परता दिखाते हुए आरपीएफ ने उसे बाल कल्याण समिति खंडवा के समक्ष प्रस्तुत किया। समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि प्रवीण शर्मा के नेतृत्व में संवेदनशील पहल न्यायिक मजिस्ट्रेट समकक्ष खंडपीठ, बाल कल्याण समिति खंडवा के अध्यक्ष प्रवीण शर्मा के नेतृत्व में समिति ने इस पूरे मामले को अत्यंत संवेदनशीलता और मानवीय दृष्टिकोण से संभाला। समिति सदस्यों मोहन मालवीय,रुचि पाटिल, कविता पटेल और स्वप्निल जैन की उपस्थिति में बालिका की गहन काउंसलिंग की गई। काउंसलिंग के दौरान बालिका ने बताया कि वह नर्सिंग की छात्रा है और लंबे समय से धार्मिक वीडियो, साध्वियों के प्रवचन तथा भगवान शिव की भक्ति से प्रभावित थी। अध्यात्म और शांति की खोज में उसने भगवान शिव से विवाह कर साध्वी जीवन अपनाने का निर्णय लिया था। समिति का स्नेहपूर्ण मार्गदर्शन अध्यक्ष प्रवीण शर्मा ने अत्यंत करुणा और संवेदनशीलता के साथ बालिका को समझाया कि सच्ची आध्यात्मिकता का अर्थ पलायन नहीं, बल्कि शिक्षा, सेवा और समाज में सकारात्मकता फैलाने से ईश्वर की प्राप्ति है। उन्होंने कहा — आध्यात्म केवल साध्वी बनकर ही नहीं जिया जा सकता। यदि मन में भक्ति है, तो वह समाज में प्रेम,नैतिकता और सद्भाव फैलाने का माध्यम बन सकती है। तुम अपनी पढ़ाई पूरी करो और चाहो तो आगे चलकर कथावाचक बनकर, अपने ज्ञान और श्रद्धा से लोगों को प्रेरित कर सकती हो। यही तुम्हारा सच्चा साध्वी जीवन होगा। बालिका ने समिति के इस मार्गदर्शन को स्वीकार करते हुए शिक्षा जारी रखने का संकल्प लिया। मां की तबीयत बिगड़ी,समिति ने जोड़ा परिवारबालिका के अचानक घर से निकलने की जानकारी मिलते ही उसकी मां की तबीयत बिगड़ गई और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। परिवार में अफरा-तफरी मच गई थी, लेकिन प्रवीण शर्मा के नेतृत्व में समिति ने तत्परता से परिजनों से संपर्क कर उन्हें स्थिति से अवगत कराया। बालिका को सुरक्षित पाकर परिवार ने राहत की सांस ली। समिति ने परिजनों को खंडवा बुलवाकर बालिका को उनके सुपुर्द किया और उन्हें यह सलाह दी कि वे उसकी आध्यात्मिक जिज्ञासाओं का सम्मान करते हुए उचित मार्गदर्शन प्रदान करें। यह घटना समाज के लिए एक प्रेरक संदेश है कि जब युवा मन आस्था और भावनाओं के प्रवाह में दिशा भटक जाता है, तो संवेदनशील मार्गदर्शन और स्नेह से उसे पुन: सही दिशा दी जा सकती है। प्रवीण शर्मा के नेतृत्व में बाल कल्याण समिति खंडवा, जिसमें मोहन मालवीय, रुचि पाटिल, कविता पटेल और स्वप्निल जैन सदस्य रहे, ने यह सिद्ध किया कि न्याय केवल कानून का पालन नहीं, बल्कि संवेदना, करुणा और दिशा देने वाली शक्ति भी है।

गोवर्धन पूजा के दिन गौ पूजन कर सजधज के निकले पाड़े

खंडवा। जिलेभर में बुधवार को गोवर्धन पूजा पड़वां का पर्व मनाया गया। एक ओर जहां पशुपालकों ने अपने गौवंश का पूजन कर उन्हें श्रृंगारित किया वहीं हिंदु रीति रिवाज के अनुसार घर के बाहर पड़वा मांडकर उसका भी पूजन किया गया। समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि पर्व को लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक धूम रही। दीपावली के दूसरे दिन गोवर्धन पूजा एवं अंकूट महोत्सव मनाया जाता है प्रदेश सरकार द्वारा भी पूरे जिला स्तर पर यह कार्यक्रम आयोजित हुए केशव धाम में मंत्री को विजय विजय शाह ने पहुंच कर गोवर्धन पूजा एवं गौ माता की पूजा अर्चना कर गो ग्रास खिलाया। जिलेभर में बुधवार को गौवंश का पूजन किया गया। शहर के पशुपालकों, ग्रामीण किसानों व ग्रामीणजनों ने अपने-अपने पशुओं का सुबह से पूजन कर उन्हें स्वादिष्ट भोजन कराया। शाम के समय पशुपालकों द्वारा अपने पशुओं को श्रृंगारित कर शहर व गांव के मुख्य मार्गों पर घुमाया गया। इसके अलावा पशुपालकों द्वारा पशुओं को चराने वाले चरवाहों को नए वस्त्र भेंट कर उन्हें सात्विक भोजन भी कराया गया।

महालक्ष्मी मंदिर में आज अन्नकूट दर्शन एवं भोजन प्रसादी का होगा आयोजन

खंडवा। नगर के एकमात्र लाल चौकी पर स्थित महालक्ष्मी मंदिर में पांच दिनों तक दीपावली महोत्सव मनाया जा रहा है। दीपावली के दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर दर्शन कर पूजा अर्चना की। समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि दीपावली महोत्सव के अंतिम भाई दूज के दिन गुरुवार को महालक्ष्मी मंदिर में अन्नकुट महोत्सव का आयोजन आयोजित होगा। गुरुवार को अन्नकुट दर्शन सुबह 10.00 बजे से दोपहर 3.00 बजे तक आयोजित होंगे। दोपहर 12.00 बजे मंदिर के पुजारीजी द्वारा छप्पन भोग की आरती भी आयोजित होगी। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी भाई दूज के दिन शाम 4ः00 बजे से रात्रि 8ः00 बजे तक भोजन प्रसादी का आयोजन भी लक्ष्मी मंदिर के मांगलिक परिसर में रखा गया है। महालक्ष्मी मंदिर के अध्यक्ष सुभाष खंडेलवाल ने सभी श्रद्धालुओं से अन्नकुट दर्शन एवं भोजन प्रसादी मैं उपस्थित होने का अनुरोध किया है। आयोजित कार्यक्रमों में अतिथि के रूप में सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल, महापौर अमृता अमर यादव,विधायक कंचन मुकेश तनवे से अन्य जनप्रतिनिधि भी शामिल होंगे।

मंत्री ने खंडवा की केशव धाम गौशाला में गोवर्धन पूजा की

किसानों से पशुपालन कर जैविक खेती अपनाने की अपील की मंत्री डॉ. शाह ने

नवभारत न्यूज

खंडवा। प्रदेश के जनजाति कार्य विभाग के मंत्री विजय शाह ने गोवर्धन पूजा और अन्नकूट महोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि आज पूरे प्रदेश में गोवर्धन पूजा हर्षोल्लास से की जा रही है। हमारी हर परम्परा और उत्सव में प्रकृति के प्रति आदर समाहित है। गोवर्धन पूजा इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। मंत्री डॉ. शाह खंडवा की केशव धाम गौशाला में बुधवार को गोवर्धन पूजा के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। इससे पूर्व उन्होंने गौशाला की गायों का पूजन कर उन्हें गुड़ व चारा खिलाया।

कार्यक्रम में मंत्री डॉक्टर शाह ने गौ सेवा और पशुपालन के क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने वाले गौ सेवकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

मांधाता विधायक श्री पटेल ने इस अवसर पर कहा कि गोवर्धन पूजा जियो और जीने दो के विचार और उपलब्ध खाद्य सामग्री एवं संसाधनों को समाज के साथ मिल-बांटकर साझा करने का प्रतीक है।

खंडवा विधायक श्रीमती तन्वे ने इस अवसर पर कहा कि हमारी संस्कृति और परम्पराओं को बचाए रखने की हम सबकी जिम्मेदारी है। राज्य सरकार द्वारा गोवर्धन पूजा का आयोजन इसी उद्देश्य से किया गया है।

जिला भाजपा अध्यक्ष श्री तोमर ने अपने संबोधन में कहा कि आज के दिन गोवर्धन और गौवंश की पूजा कर हम संसार को प्रकृति, पर्यावरण और पशुधन संवर्धन का संदेश देते हैं। यह वास्तव में प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण का उत्सव है। कार्यक्रम में उपसंचालक पशु चिकित्सा डॉक्टर हेमंत शाह ने पशुओं के लिए संचालित एंबुलेंस तथा पशुपालन विभाग की विभिन्न योजनाओं के बारे में बताया।

कार्यक्रम में खंडवा विधायक कंचन मुकेश तन्वे, मांधाता विधायक नारायण पटेल, कलेक्टर ऋषव गुप्ता, जिला पंचायत के सीईओ डॉ नागार्जुन बी. गौड़ा, जिला भाजपा अध्यक्ष राजपाल सिंह तोमर, पूर्व जिला भाजपा अध्यक्ष सेवा दास पटेल एवं हरीश कोटवाले, धर्मेंद्र बजाज सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारीगण भी मौजूद थे।

रासायनिक खेती से कैंसर जैसे रोग बढ़ रहे हैं

मंत्री डॉ. शाह ने इस अवसर पर संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय सनातन संस्कृति में ''सर्वे भवंतु सुखिन:'' की शिक्षा दी जाती है। इसी का पालन करते हुए प्रदेश सरकार मनुष्यों के साथ-साथ पशुओं की भी चिंता कर रही है, और गोवर्धन पूजा जैसे कार्यक्रम प्रदेश में आयोजित किये जा रहे हैं। उन्होंने इस अवसर पर संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार की पशु एंबुलेंस योजना बहुत सफल रही है। कोई भी व्यक्ति 1962 नंबर पर फोन लगाकर अपने पशुओं के उपचार के लिए एंबुलेंस बुला सकता है। उन्होंने कहा कि किसानों को पशुपालन अवश्य करना चाहिए,क्योंकि पशुपालन से मिलने वाले गोमूत्र और गोबर की मदद से जैविक खेती और प्राकृतिक खेती की जा सकती है। उन्होंने कहा कि रासायनिक खेती से कैंसर जैसे रोग बढ़ रहे हैं। ऐसे में जैविक खेती और प्राकृतिक खेती ही आज की प्रमुख आवश्यकता है।

डीएपी के लिए किसानों का फिर संघर्ष प्रशासन क्यों नहीं बन रहा जिम्मेदार?

नवभारत न्यूज

खंडवा। त्रासदियों के बीच मेहनत के मोती उगा रहा किसान हताश दिख रहा है। राज्य की सरकार और प्रशासनिक सिस्टम उसे पर्याप्त संसाधन पैसा देने के बावजूद उपलब्ध नहीं कर पा रहा है। जिम्मेदार अफसर कहते हैं कि, पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध है। फिर किसानों को चक्का जाम क्यों करना पड़ रहा है?

सवाल कई हैं। किसानों को इस बार 22 तारीख के टोकन बांट दिए गए। किसान एक दिन पहले ही आधी रात को रोटी बांधकर विपणन केंद्र की कतार में लग गए। इसके बावजूद उन्हें डीएपी खाद नहीं मिला।

चक्का-जाम ही इकलौता सहारा

आक्रोशित किसानों ने चक्काजाम कर दिया। मक्का के वाजिब दाम नहीं मिलने पर भी किसानों ने यही हथकंडा अपनाया था। वही सिस्टम फिर दोहराया गया। किसानों को मनाने के लिए एडीएम, एसडीएम और पुलिस सब सायरन बजाते हुए पहुंच गए। हताश और निराश होकर किसान घर लौट आए।

पर्याप्त खाद, फिर क्यों नहीं रहे?

एक अधिकारी ने कहा, पर्याप्त मात्रा में डीएपी है। फिर किसानों को क्यों नहीं दिया जा रहा है? यह भी बताया गया कि गुरुवार को डीएपी की एक बड़ी खेप रेल से खंडवा पहुंच रही है। किसानों का आक्रोश इसलिए भी है कि रबी का सीजन शुरू होने को है। गेहूं और अन्य रबी की फसल के लिए डीएपी खाद की जरूरत सबसे पहले होती है। किसान कैसे भी करके खाद के लिए पैसे व पावती ला रहा है। फिर भी उसे खाद नहीं मिल रहा है।

त्योहार छोड़, खाद के लिए दौड़े

खाद जैसी साधारण जरूर के लिए भी किसानों को सड़क पर उतरना पड़ रहा है। त्योहार छोड़कर किसान सड़कों पर कपड़े में बंधी रोटी खा रहे हैं। खंडवा जिले में किसानों की खाद की समस्या गंभीर रूप ले रही है। रबी की तैयारियों के बीच डीएपी (डायमोनियम फॉस्फेट) नहीं मिलने से किसान आक्रोशित हैं। अचानक बढ़ी डीएपी की डिमांड दरअसल रबी की तैयारी को लेकर खाद की मांग बढ़ गई है।

जिसके चलते किसान खंडवा विपणन केंद्र पर रात में ही नम्बर लगाकर खाद ले जाने के लिए आकर बैठ रहे हैं। बुधवार को जब 11 बजे काउंटर खुला और किसानों को कहा गया कि डीएपी उपलब्ध नहीं है। उसके बाद किसानों का गुस्सा फूट पड़ा। किसान सड़क पर उतर गए। इंदौर रोड पर चक्काजाम कर दिया।

चार दिन पहले भी खाद नहीं,आश्वासन मिला था

किसानों ने बताया कि चार दिन पूर्व भी खाद के लिए हम लोग सुबह से शाम तक बैठे रहे। उसके बाद हमें 22 तारीख टोकन दिया। रात से ही आकर कतार में लग गए। हमें डीएपी नहीं दी जा रही है। अब हम रबी की फसल की तैयारी कैसे करेंगे? किसानों के कुछ देर के प्रदर्शन के बाद अधिकारियों के समझाइश पर किसान माने। अपना प्रदर्शन खत्म किया।

हममें और उनमें यह है अंतर?

कृषि का सिस्टम सरकार व्यवस्थित नहीं कर पा रही है। किसानों को संसाधन समय पर उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी राज्य सरकार की है। खाद बीज सरकार को उपलब्ध कराना चाहिए। विकसित देशों में तो किसान फसल बोते हैं,और सरकारें मुफ्त में उन पर दवाओं का छिड़काव हेलीकॉप्टर से करती है। अपने देश का राष्ट्रीय उत्पादन बढ़ाने के लिए ऐसा किया जाता है। यहां तो 21वीं सदी में भी इतने पिछड़े हुए हैं, कि राष्ट्रीय उत्पाद बढ़ाने की भी सरकार नहीं सोच रही है। किसान हितैषी सरकार आखिर क्या कर रही हैं?

ज्योतिर्लिंग तीर्थ नगरी में अन्नकूट महोत्सव और गोवर्धन पूजा के आयोजन

नवभारत न्यूज

ओंकारेश्वर। तीर्थ नगरी ओंकारेश्वर में अन्नकूट महोत्सव और गोवर्धन पूजा का पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। सुबह से ही मठों और मंदिरों में पूजा-अर्चना का सिलसिला शुरू हो गया। पूजा के बाद मठों, मंदिरों और आश्रमों में अन्नकूट महोत्सव का आयोजन हुआ, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

ज्योतिर्लिंग तीर्थ नगरी ओंकारेश्वर के 100 से अधिक मठ, मंदिर और आश्रमों में कल दिनभर गोवर्धन पूजा एवं अन्नकूट भोग के आयोजन चलते रहे।

विशेष रूप से नृसिंह टेकरी आश्रम में प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी भव्य अन्नकूट महोत्सव हुआ। यहां नगर वासियों और संतों ने अन्नकूट और भंडारा प्रसादी का लाभ लिया हीं तो वही अन्नपूर्णा आश्रम में शाम को विशेष पूजा एवं भोग प्रसाद वितरण का आयोजन किया जिसमें नगर वासि संतों ने भाग लिया।

महंत मंगलदास त्यागी ने कहा कि ओंकारेश्वर एक जीवंत तपोभूमि और वैदिक परंपरा का केंद्र है, जहां हर पर्व आस्था, भक्ति और आनंद के साथ मनाया जाता है।

ध्वजारोहण कार्यक्रम — मंदिर में कार्यरत पंडित एवं सेवादारों का किया सम्मान

खंडवा के प्राचीन पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में ध्वजारोहण कार्यक्रम

नवभारत न्यूज

खंडवा। श्री पाश्वनाथ पोरवाड़ दिगंबर जैन मंदिर सराफा खंडवा में 22 अक्टूबर बुधवार को प्रात: 8.30 बजे से नवीन ध्वजारोहण करने का कार्यक्रम उपाध्याय विश्रुत सागर महाराज ससंघ के सानिध्य एवं पंडित निखिलेश जैन के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

समाज के सचिव सुनील जैन ने बताया कि प्रतिवर्ष दीपावली पर्व के पश्चात शिखरों की धर्मध्वजा बदली जाती है,मूलनायक श्री पार्श्वनाथ भगवान जी के शिखर पर नवीन ध्वजारोहण करने का सौभाग्य देवेंद्र कुमार सुरेंद्र कुमार सराफ परिवार को प्राप्त हुआ एवं श्री आदिनाथ भगवान जी के शिखर पर नवीन ध्वजारोहण का सौभाग्य श्रीमती विजया पहाड़िया कैलाश पहाड़िया परिवार को प्राप्त हुआ। शिखर पर नवीन ध्वजा चढ़ाने के बाद पुरानी ध्वजा सहसम्मान ध्वजा चढ़ाने वाले परिवारों को सौपी गई। इस अवसर पर उपस्थित समाज के महिलाओं एवं श्रद्धालुओं द्वारा झंडा गीत गाया गया।

पोरवाड़ दिगम्बर जैन समाज के मीडिया प्रभारी प्रेमांशु चौधरी ने बताया

कि समाजजनों और ट्रस्टीगण की उपस्थिति में पिछले कई वर्षों से भगवान पार्श्वनाथ की सेवा एवं मंदिर के सभी धार्मिक कार्यक्रमों में कार्यरत पंडित निखिलेश पंडित का सम्मान नवीन वस्त्र भेंट कर किया गया। मंदिर जी के प्रमुख सेवादार मनोज भाई,मंदिर जी के रक्षक सतीश चौकडे एवं धर्मशाला के सहयोगी सेवादार रामकृष्ण बरोले,सचिन एवं दगड़ू दाजी का सम्मान नवीन वस्त्र भेंट कर किया गया।

ट्रस्ट के अध्यक्ष वीरेंद्र भटयांण,उपाध्यक्ष दिनेश कुमार जैन, कोषाध्यक्ष संतोष जैन,सचिव नितिन जैन,मंदिर जी व्यवस्थापक अधिवक्ता प्रेमांशु जैन,धर्मशाला व्यवस्थापक पंकज कुमार जैन, वरिष्ठ मार्गदर्शक ट्रस्टी राजेश जैन एवं ट्रस्टी सुधांशु चौधरी,संकल्प जैन,अतुलजैन,तरुण जैन,मंदिर व्यवस्थापक अधिवक्ता प्रेमांशु जैन ,र ाजमल जैन,चौथमल जैन,शैलेन्द्र जैन, प्रदीप जैन,अभिलाष जैन,अश्विन जैन, अनमोल पहाड़िया,जम्बू जैन,पवन जैन, महिमा,डॉ दीपिका,दिव्या पहाड़िया सहित अन्य समाजजनों की उपस्थिति में ध्वजारोहण कार्यक्रम संपन्न हुआ।